पेज नं 2 ... खाटूश्याम मंदिर में भक्त क्यों लेकर जाते हैं निशान?

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच, बुधवार

28 फरवरी 2024

वर्ष 01, अंक 51, - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 64,040 Silver 68,801 Crude Oil 6,483 Natural Gas 150.90 Aluminium 199.85 Copper 722.90

छोटी खबरें

विधायक परिहार के प्रयास लाए रंग, 6 सडक निर्माण की मिली स्वीकृति

नीमच। विधायक दिलीपसिंह परिहार एवं सांसद सुधीरजी गुप्ता के अथक प्रयासों से नीमच विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सडकों का जाल बिछ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की 6 प्रमुख सडकों की मांग पूरी होगी। इन सडकों के निर्माण और उन्नयन से राह आसान होगी और क्षेत्रवासियों को धूल और गड्ढों से बडी राहत मिलेगी।

ग्रामीण आवागमन को और अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के लिए विधायक दिलीपसिंह परिहार के अथक प्रयासों से नीमच विधानसभा में 6 सडक निर्माण की स्वीकृति मिली है, जिनमें थडोली से बडोली मार्ग (2.60 किमी) लाख 274.92 लाख रूपये, कराडिया महाराज से ग्वालदेविया मार्ग (3.00 किमी) लागत 227.92 लाख, नीमच सिंगोली मुख्य मार्ग से सेमली चक (1.70 कि.मी.) लागत 144.25 लाख रू., बोरदिया कलां से रामनगर तक (2.00 किमी) लागत 192.79 लाख रू., पालसोडा से देवीपुरा तक (2.30 किमी) लागत 262.88 लाख, पिपलिया जागीर से जलेश्वर महादेव होते हुए हरवार मार्ग (4.60 किमी) लागत 663.93 लाख रू. के सडक निर्माण की स्वीकृति मिली है।

विधायक परिहार ने 6 सडकों की सहमति स्वीकृति के लिये मुख्यमंत्री डॉ.मोहन जी यादव एवं उपमुख्यमंत्री जगदीशजी देवडा का आभार व्यक्त किया है।

भूतेश्वर महादेव मंदिर पर शिवरात्रि को लेकर बैठक आज

नीमच। शहर के अतिप्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियों व मेले के आयोजन को लेकर एक वृहद बैठक आज दिनांक 28 फरवरी शाम 6.30 बजे आरती उपरांत रखी गई है।

श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर समिति के अध्यक्ष राकेश भारद्वाज, सचिव राजेन्द्र पांडे, समिति के सदस्य राधेश्याम मित्तल (भगवान), मेला समिति संयोजक अश्विन डांगी, अनिल चौरसिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 8 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व को मंदिर पर किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और भव्य व्यापक मेले की तैयारियों को लेकर समस्त शिव भक्तों की एक वृहद बैठक आज बुधवार 28 फरवरी 2024 को शाम 6.30 बजे आरती पश्चात मंदिर पर रखी गई है।

बैठक में गत वर्ष आयोजित मेले की अभूतपूर्व सफलता को देखते हुए इस बार और भव्यता के साथ मेला आयोजित करने की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी।

बैठक उपरांत सभी के स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है।

पीएम ई-बस योजनांतर्गत 6 नगरीय निकायों के लिये 552 ई-बस

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने मन्दसौर, राजगढ़, सीधी, सिवनी और बालाघाट, जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिये 10,373 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति दी। मंत्रि-परिषद ने मंदसौर जिले में 60 करोड़ 3 लाख रूपये लागत की ताखाजी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना (सैंच्य क्षेत्र 3550.53 हेक्टेयर) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी। इसी प्रकार राजगढ़ जिले की मोहनपुरा वृहद सिंचाई परियोजना लागत 4666 करोड़ 66 लाख रूपये, (सैंच्य क्षेत्र 1,51,495 हेक्टेयर) की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।

मंत्रि-परिषद द्वारा सीधी जिले में 4167 करोड़ 93 लाख रूपये लागत की सीतापुर हनुमना माइक्रो सिंचाई परियोजना (सैंच्य क्षेत्र 1,20,000 हेक्टेयर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इस परियोजना की स्वीकृति के क्रम में प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा के लिये निर्धारित सूचकांक के बंधन से छूट दी गई। परियोजना से रीवा, मऊगंज, सीधी, एवं सिंगरौली जिले के 663 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

मंत्रि-परिषद ने सिवनी एवं बालाघाट जिले की संजय सरोवर परियोजना (अपर वैनगंगा) के नहरों की विस्तारीकरण, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के कार्य के लिये 332 करोड़ 54 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी। ईआरएम के कार्य पूरा होने पर 11 हजार 450 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

मंत्रि-परिषद ने बाणसागर बहुउद्देशीय परियोजना अंतर्गत बहुती नहर को भारत सरकार की Modernization of command area development work (MCAD) अंतर्गत लागत 1146 करोड़ 34 लाख रूपये के अंतर्गत माइक्रो सिंचाई परियोजना में परिवर्तित करने की सैद्धांतिक अनुमति दी है।

राज्य के विभिन्न शहरों में वायुसेवा संचालन के लिये अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के विभिन्न शहरों में वायुसेवा संचालन किये जाने के लिये प्रस्ताव का अनुमोदन दिया।

पीएम ई-बस योजनांतर्गत 6 नगरीय निकायों के लिये 552 ई-बस

मंत्रि-परिषद द्वारा शहरों में सिटी बस सेवाओं के बुनियादी ढांचे के विस्तार और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिये प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रदेश में संचालन का अनुमोदन किया। पीएम ई-बस योजना के अंतर्गतप्रदेश के 6 नगरीय निकायों (भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर) में 552 शहरी ई-बसों का पीपीपी मॉडल के आधार पर संचालन किया जायेगा। योजना में Payment Security Mechanism (PSM) के लिए स्वीकृति के साथ State Level Steering Committee (SLSC) को योजना के लिये स्वीकृतियां, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण के लिये अधिकृत किया गया है।

खंडेलवाल महिला मंडल ने भजन कीर्तन फूलों की होली के साथ मनाया फाग महोत्सव

नीमच। खंडेलवाल महिला मंडल जिला इकाई ने मंगलवार दोपहर 3 बजे भूतेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में रंगों का त्योहार होली पर्व फाग महोत्सव फूलों की होली और भजन कीर्तन के साथ मनाया। फाग महोत्सव में महिलाओं ने आज बिरज में होली है रसिया ....होली खेलो रंग और गुलाल से.. आदि भजनों पर समूह नृत्य भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महिलाओं ने राधा कृष्ण की झांकी सजाकर महारास कर महाराज का आयोजन भी किया। इस अवसर पर खंडेलवाल महिला मंडल की अध्यक्ष बीना खंडेलवाल, सचिव सरला कूलवाल और श्रीमती सीमा लाभी, अनीता खंडेलवाल, साधना खंडेलवाल, पलक कूलवाल, दीपा खंडेलवाल,हेमलता खंडेलवाल ,अंजना खंडेलवाल, ज्योति खंडेलवाल मेघना खंडेलवाल लीला खंडेलवाल,पूजा खंडेलवाल मधु कुलवाल, लक्ष्मी कुलवाल, मंजू पाटोदिया ज्योति खंडेलवाल, मंजू कूलवाल आदि महिलाओं ने साथ मिलकर कार्यक्रम का संचालन बीना खंडेलवाल ने किया तथा आभार सचिव श्रीमती सरला कुलवाल ने व्यक्त किया।

जिले की मदिरा दुकानों से राजस्व आय में 15 प्रतिशत की वृद्धि

नीमच। जिला आबकारी अधिकारी श्री आरएन व्यास ने बताया, कि नीमच जिले की कंपोजिट मदिरा दुकानों का वर्ष 2024-25 का शराब ठेका गत वर्ष 2023-24 से 15 प्रतिशत वृद्धि कर रूपये 1,13,75,92,531/- एवं भांग-भांग घोटा का ठेका भी गत वर्ष से 10 प्रतिशत वृद्धि कर 1,02,06,854/- में नवीनीकरण के माध्यम से निष्पादित किया गया है। शासन द्वारा देशी एवं विदेशी शराब की ड्यूटी में 6 से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है एवं भांग की ड्यूटी में 33 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन व रेल सुविधाओं की सौगात दी - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 41 हजार करोड़ लागत की रेल परियोजनाएं राष्ट्र को की समर्पित मध्यप्रदेश में 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास और मिलेगी 133 रोड ओवर ब्रिज/अंडर पास की सौगात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं की शिलापट्टिकाओं का किया अनावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कार्यक्रम में सीहोर से हुए शामिल

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आधुनिक और तेज रेलवे के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 41 हजार करोड़ की लागत से देश के 554 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प और 1500 रोड ओवर ब्रिज/अंडरपास के शिलान्यास, उद्घाटन समर्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर से शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 77 हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य जारी हैं, प्रदेश में रेलवे सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है, और हमें नई तकनीक और नई व्यवस्थाओं के साथ विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन एवं रेल सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर जिले की जन आभार यात्रा में शामिल हुए। केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित किया।

डबल इंजन की सरकार से हम समर्थ और सक्षम राज्य के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश विकास की पटरी पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित है, रेलवे अधोसंरचना के विकास की यहां बहुत संभावनाएं हैं। यहां देश की दो प्रमुख रेलवे लाइनें तो संचालित हैं हीं, इसके साथ ही सीहोर होकर रामगंज मंडी तथा बुधनी की रेल लाइन बिछाने के कार्य को भी गति दी जा रही है। रेलवे अधोसंरचना के विकास को तेजी से पूरा किया जाएगा, इससे प्रदेश के विकास को और भी गति मिलेगी। हम समर्थ और सक्षम राज्य के लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर हैं।

भोपाल-सीहोर-रायसेन, भोपाल-विदिशा, उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-देवास समन्वित रूप से विकसित होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग, रोजगार में बढ़ोत्तरी के साथ ही महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग की प्रगति के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। किसी भी योजना के लिए धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी। सीहोर नगर पालिका द्वारा उनके सम्मुख रखे गए प्रस्तावों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि भोपाल और सीहोर का विकास समन्वित रूप से ट्विन सिटी के आधार पर होगा। दोनों नगरों को जोड़कर आवागमन के साधन, आवासीय परियोजनाएं और रोजगार के अवसरों के समग्र विकास की योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। उज्जैन-इंदौर, उज्जैन-देवास, भोपाल-विदिशा, भोपाल-सीहोर-रायसेन आदि भी अमृत काल में 2047 तक समन्वित रूप से विकसित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आगामी वर्षों में देश चहुंमुखी विकास करेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास और प्रगति से दुनिया में देश का नाम स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि धारा 370 की समाप्ति और मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति बड़ी उपलब्धियां है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी वर्षों में देश चहुंमुखी विकास करेगा, अंतरिक्ष में और अधिक उपलब्धियों के साथ ही गरीबों और महिलाओं के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, खंडवा, सीहोर सहित प्रदेश के 33 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के रेलवे स्टेशनों की पुनर्विकास परियोजनाओं की शिलापट्टिकाओं का अनावरण किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के 33 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए शिलान्यास के साथ ही 133 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) एवं अंडरपास का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। प्रदेश के जिन 33 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास के लिए शिलान्यास किया गया, उनमें सीहोर, जबलपुर, बीना, अशोकनगर, खिरकिया, साँची, शाजापुर, ब्यौहारी, बरगवाँ, नरसिंहपुर, पिपरिया, इन्दौर, उज्जैन, मंदसौर, मक्सी, नागदा, नीमच, शुजालपुर, खाचरोद, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खण्डवा, मंडला फोर्ट, नैनपुर, सिवनी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, मुरैना, हरपालपुर, दतिया और भिंड स्टेशन शामिल हैं।

आरओबी में जबलपुर रेल मंडल के दो और भोपाल रेल मंडल के चार आरओबी शामिल हैं।

अंडरपास के अंतर्गत जबलपुर में एक एवं भोपाल मंडल में दो स्थानों पर कार्य होंगे। उल्लेखनीय है कि मानवयुक्त समपार फाटकों को खत्म करने के लिए आरओबी/अंडरपास बनाया जाता है।

रास्ते पर अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

नीमच। जिले की जावद तहसील के ग्राम सुवा खेड़ा के ग्रामीणों ने मंगलवार 27 फरवरी को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सार्वजनिक रास्ते पर अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा। हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत सुवाखेड़ा वार्ड नंबर 2 नई आबादी मेन रोड गली नंबर 1 में आने जाने के रास्ते पर लक्ष्मण पिता रूपा नायक निवासी सुवाखेड़ा द्वारा मार्ग पर अवैध अतिक्रमण कर रखा है जिससे ग्रामीणों को राहगीरों कोआवागमन में परेशानी आती है। पूर्व में 18 जुलाई 2023 को भी शिकायत की गई लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई उल्लेखनीय है कि सुवाखेड़ा ग्राम पंचायत द्वारा लक्ष्मण पिता रूपा नायक को 30 गुणित 30 भूखंड का ही पट्टा स्वीकृत किया गया है लेकिन लक्ष्मण नायक द्वारा पत्थर की चारदीवारी बनाकर अवैध अतिक्रमण कर रहवासियों को परेशान किया जा रहा है। उक्त रास्ता पटवारी के राजस्व नक्शे में रास्ता भी स्वीकृत है। ग्रामीणों ने बताया कि लक्ष्मण नायक अपराधीक प्रवृत्ति का लड़ाई झगड़े करने वाला व्यक्ति है इसलिए कोई भी व्यक्ति उनसे बात नहीं कर पाता है क्षेत्र के ग्रामीणों को मार्ग से आवागमन के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिला प्रशासन द्वारा उक्त अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में सहयोग किया गया तो क्षेत्र के ग्रामीणों को रास्ते की समस्या से राहत मिल सकेगी। ज्ञापन देते समय ग्राम के, रामपाल कन्हैया लाल, सरोज, पिंकी उर्मिला बाई ,उषा नायक ,ममता देवी, सुशीला बाई , दाखीबाई,रवि, मनोज कुमार ,देव कुमार, ओमप्रकाश, उर्मिलाबाई, राधेश्याम ,पुष्पा बाई, हेमलता बाई ,कंचन बाई रेनू ,गोविंद यादव, दशरथ, हरीश कुमार नायक ,कंचन बाई आदि ग्रामीण जन उपस्थित थे इधर ग्रामीणों ने मंगलवार जनसुनवाई क्रमांक 18 जुलाई 252 7 से भी शिकायत की थी।। जिसमें राजस्व विभाग जनपद जावद को कार्रवाई के लिए लिखा गया। 27 फरवरी को भी जनसुनवाई क्रमांक 645 के माध्यम सेकार्रवाई के लिए शिकायत की गई इसमें सीईओ जावद जनपद को अतिक्रमण की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

बीमारी में दोनों पैर कटे, अब एक हाथ काटने की तैयारी, 5 साल से सहायता के लिए भटकर रहा पीड़ित

प्रशासन ने मदद से किया इनकार, कहा- फंड नही

नीमच। 5 साल पहले लाइलाज बीमारी गैंगरीन से पीड़ित मनासा के कुंडला निवासी मदन के दोनों पैर कट चुके है। अब दाहिने हाथ में भी बीमारी फैल गई। डॉक्टर ने हाथ काटने की बोल है। अब तक कर्जा लेकर इलाज करवा रहा था। अब कर्जदारों ने रुपए देने मना कर दिया है। मदन के पास हाथ कटवाने तक रुपए नहीं है। पिछले 5 साल से कुंडला का मदन बलाई सहायता के लिए दर-दर भटक रहा है। 7 से 8 बार जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर से मदद की गुहार लगा चुका है, लेकिन मदन की वास्तविक हालत देखकर किसी भी अधिकारी का दिल नहीं पसीजा।

हर बार उसे नियम व कागजी कार्रवाई में उलझा दिया गया, लेकिन इस बार तो प्रशासन ने बेरुखी की सीमा ही लांघ दी। फंड नहीं है कहकर मदद करने से साफ इनकार ही कर दिया। हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नीमच पहुंचे थे। उन्होंने 752 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न कार्यों की सौगातें जिलेवासियों को दी और चले गए। एक ओर प्रशासन कागजों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य दिखाकर खुद पीठ थपथपा रहा है, तो दूसरी ओर वास्तविक असहाय व लाचार दर-दर भटकने को मजबूर है। इसे स्थानीय प्रशासन की बेरुखी कहे या मदन का दुर्भाग्य कि 5 साल से लगातार चक्कर काटने के बावजूद उसे शासन की योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

यह हुआ जनसुनवाई में-

मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे मदन का आवेदन सीईओ गुरु प्रसाद के पास पहुंचा। उन्होंने आवेदन पर कुछ लिखकर दिया। एक आदमी आया और उसी आवेदन को लेकर डिप्टी कलेक्टर किरण आंजना के पास लेकर पहुंचा, तो मैडम ने कहा- सॉरी फंड ही नहीं है, कैसे करें मदद?

कर्ज में डूबा परिवार-

पेशे से कुशल ट्रैक्टर मैकेनिक मदन पांच साल पहले तक हंसी-खुंशी गैरेज पर काम कर अपनी जिंदगी गुजर-बसर कर रहा था, लेकिन अचानक पता चला कि उसे गैंगरीन नामक बीमारी है। इसके बाद उसने घर गिरवी रखकर इलाज शुरु कराया। डॉक्टर ने दोनों पैर काटने की बोल दिया। तो इसके लिए कर्जा लेकर पैर कटवाए। इसके बाद से आर्थिक सहायता के लिए दर-दर भटक रहा है।

चुनाव पर्व, देश का पर्व थीम पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाए

लोकसभा निर्वाचन 2024 चुनाव पर्व, देश का पर्व थीम पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाए स्वीप गतिविधियों के संबंध में वी.सी.सम्पन्न

नीमच। आगामीलोकसभा निर्वाचन 2024 में चुनाव पर्व देश का पर्व थीम पर आधारित मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय भोपाल व्दारा वीडियों कांफ्रेंसिंग के जरिए मतदाता जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई।

इस वीडियों कांफ्रेंसिंग में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स व्दारा पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर विभिन्न विभागों व्दारा की जाने वाली स्वीप गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गई।

वीडियों कांफ्रेंसिंग में नीमच से जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर राजेश शाह, सभी सीएमओ एवं अन्य स्वीप पार्टनर विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

विधायक परिहार की पहल पर 31 ग्राम पंचायतों में 15-15 लाख रूपए के डोम निर्माण की स्वीकृति

नीमच। विधायक दिलीपसिंह परिहार एवं सांसद सुधीरजी गुप्ता के अथक प्रयासों से नीमच विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य किए जा रहे हैं। विकास कार्यों की इस श्रृंखला में नीमव विधानसभा की 31 ग्राम पंचायतों में 15-15 लाख रूपए के डोम निर्माण की स्वीकृति मिली है। साथ ही आंवरीमाताजी में यात्री विश्राम हेतु स्थाई शेड निर्माण हेतु 40 लाख रूपए, नीमच नगर में 5 डोम निर्माण हेतु 1 करोड रूपए, जीरन नगर में डोम निर्माण हेतु 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है।

विधायक दिलीपसिंह परिहार के अथक प्रयासों से ग्राम पंचायत बोरदिया कलां में कम्युनिटी हॉल (डोम) निर्माण, ग्राम पंचायत छायन, जवासा, सेमलीमेवाडा, भंवरासा, विशन्या, सावन, हनुमन्त्या पंवार, बिसलवास सोनीगरा, अडमालिया, दारू, सेमली चन्द्रावत, ढोलपुरा, पिपलोन, बिसलवास खुर्द, दुदरसी, भरभडिया, नेवड, थडौली, कानाखेडा, धनेरिया कलां, सोनियाना, तालखेडा, जमुनिया कलां, चम्पी, पालसोडा, पावटी, चल्दु, आसपुरा, जयसिंहपुरा, हरवार, वार्ड क्र. 14 जीरन, वार्ड क्र. 7 जीरन, बघाना, ग्वालटोली, नीमच सिटी, वार्ड क्र. 23 नीमच केन्ट, इन्द्रानगर मांगलिक भवन सहित 5 आउटडोर जिम में डोम निर्माण की स्वीकृति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व नगरीय विकास एवं आवास विभाग से मिली है। साथ ही आरोग्यस्थल आंवरीमाताजी चीताखेडा में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थाई शेड निर्माण हेतु 40 लाख रूपए की स्वीकृति हुई है।

विधायक परिहार ने नीमच विधानसभा की 31 ग्राम पंचायतों, नीमच नगर व जीरन में डोम निर्माण एवं आंवरीमाताजी में स्थाई शेड निर्माण सहमति स्वीकृति के लिये मुख्यमंत्री डॉ.मोहन जी यादव एवं वित्तमंत्री जगदीश जी देवडा का आभार व्यक्त किया है।

भाजपा नेता विकास नामदेव को दिन-दहाड़े दी जान से मारने की धमकी

नीमच। मंगलवार को दिन दहाड़े भाजपा नेता विकास नामदेव को कुछ अज्ञात लोगों ने जान से मारने की धमकी दी।

भाजपा कार्यकर्ता विकास नामदेव ने कैंट थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई, जिसमे उन्होंने बताया कि, मैं सीआरपीएफ रोड़ के समीप रहता हूं... दिनाक- 27 फरवरी, मंगलवार की दोपहर करीब 12.15 बजे मैं सीआरपीएफ रोड़ पर सुप्रीम अलाईमेन्ट व पग श्रृंगार शौरूम के बीच खड़ा होकर एक अन्य व्यक्ति से बात कर रहा था। जब मैं यहां से निकला, तो पीछे से तीन अज्ञात युवक बाइक से आये व मुझे अश्लील गालियां देते हुए बोले कि, तू ही विकास नामदेव है क्या... और मेरा रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी दी। मैं वहां से जान बचाने के लिए मौके पर गाड़ी छोड़कर भाग गया व धमकी देने वाले तीन अज्ञात युवक भी भाग निकले। फिर मैने अपनी गाड़ी से काफी दूर तक उनका पीछा किया, लेकिन तीनों अज्ञात युवक भीड़ का फायदा उठाकर भाग गये। उनका नाम पता मैं नही जानता हूं... घटना प्रियांशु लोडा व फाईव स्टार पान वाले ने देखी है। इस पूरे मामले में विकास नामदेव ने अपने पिता कैलाश नामदेव के साथ कैंट थाने पहुंच कर एफआईआर दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने धारा- 341, 294, 506 व 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

श्रद्धा और विश्वास के बिना भक्ति मार्ग में सफलता नहीं मिलती है - साध्वी विष्णु प्रिया

नीमच। प्रभु की भक्ति और हरी का नाम हमें संसार सागर से पार करा देता है। प्रभु के प्रति सच्चा विश्वास और गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा के बिना जीवन में सफलता नहीं मिलती है। परमात्मा की कृपा और गुरु के ज्ञान बिनाघ् भक्ति मार्ग में सफलता नहीं मिलती है। यह बात संत श्री भक्ति प्रिया इंदौर की शिष्या एवं ईश्वरीय प्रेम आश्रम इंदौर की साध्वी विष्णु प्रिया जी ने कहीं।वे मंगलवार 27फरवरी को भागेश्वर महादेव आश्रम में सुबह 9 बजे आयोजित धार्मिक सत्संग प्रवचन में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि भगवान केवल प्रेम भाव के भूखे होते हैं धन संपत्ति के नहीं। श्री कृष्ण ने दुर्योधन के छप्पन भोग को छोड़कर विधुरानी केघ् केले के छिलके को ग्रहण करना स्वीकार किया था क्योंकि उनका उनके प्रति प्रेम सद्भाव था। इसी प्रकार शबरी के झूठे बेर श्री राम ने स्वीकार किए थे क्योंकि उनका शबरी के प्रति प्रेम सद्भाव था। धर्म सत्संग और कथा में केवल सदुण ही ग्रहण करना चाहिए तभी हम संसार रूपी सागर में से हंस की तरह पवित्र पुण्य मोती प्राप्त कर सकते हैं। श्रद्धा और विश्वास के बिना भक्ति के क्षेत्र में सफ्लता नहीं मिलती है। कथा सत्संग में हमें ज्ञानी बनकर नहीं खाली बनकर जाना होगा तभी हमारे खाली घड़े में ज्ञान का सत्संग भरेगा। आत्मा और गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा हो तो कठिन असंभव कार्य भी संभव हो जाता है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

IND vs ENG: भारत की सरजमीं पर R Ashwin अब सबसे बेस्ट! रांची में ऑफ स्पिनर ने रचा इतिहास, Anil Kumble छूटे पीछे

आर अश्विन ने दूसरी पारी में इंग्लैंड को दो गेंदों पर लगातार दो बड़े झटके दिए। अश्विन ने पहले बेन डकेट को पवेलियन की राह दिखाते हुए भारत की सरजमीं पर अपने 350 विकेट पूरे किए। इसके ठीक अगली ही गेंद पर अश्विन ने ओली पोप को बिना खाता खोले चलते किया। अश्विन की घूमती गेंद को पोप समझने में पूरी तरह से नाकाम रहे।

नई दिल्ली। राची में इंग्लैंड (IND vs ENG yth Test) के खिलाफ खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में आर अश्विन (R Ashwin) ने इतिहास रच दिया है। अश्विन भारत की सरजमीं पर अब सबसे बेस्ट इंडियन बॉलर बन गए हैं। अश्विन ने दूसरी पारी में इंग्लिश टीम को लगातार दो गेंदों पर दो बड़े झटके देते हुए नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। भारतीय ऑफ स्पिनर ने खास मामले में अनिल कुंबले को पीछे छोड़ दिया है।

अश्विन अब सबसे बेस्ट!

आर अश्विन ने दूसरी पारी में इंग्लैंड को दो गेंदों पर लगातार दो बड़े झटके दिए। अश्विन ने पहले बेन डकेट को पवेलियन की राह दिखाते हुए भारत की सरजमीं पर अपने 350 विकेट पूरे किए। इसके ठीक अगली ही गेंद पर अश्विन ने ओली पोप को बिना खाता खोले चलते किया। अश्विन की घूमती गेंद को पोप समझने में पूरी तरह से नाकाम रहे और विकेटों के सामने पाए गए। पोप को आउट करने के साथ ही अश्विन भारत में सर्वाधिक विकेट लेने वाले इंडियन बॉलर बन गए हैं।

अनिल कुंबले को छोड़ा पीछे

भारत की धरती पर अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अनिल कुंबले के नाम था। कुंबले ने 63 मैचों में 350 विकेट चटकाए थे। दो गेंदों पर 2 विकेट लेने के साथ ही अश्विन अब कुबले से आगे निकल गए हैं। अश्विन के नाम अब भारत में कुल 351 विकेट दर्ज हो गए हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हरभजन सिंह का नाम है, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में घरेलू सरजमीं पर कुल 265 विकेट निकाले। 307 पर सिमटी टीम इंडिया की पारी टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम पहली पारी में 307 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ध्रुव जुरैल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 90 रन की यादगार पारी खेली। हालांकि, ध्रुव अनलकी रहे और वह अपना पहला टेस्ट शतक पूरा नहीं कर सके। ध्रुव ने कुलदीप यादव के लिए साथ मिलकर 8वें विकेट के लिए 76 रन की पार्टनरशिप जमाई, जिसके चलते भारतीय टीम मैच में वापसी करने में सफल रही है। हालांकि, पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड को 46 रन की बढ़त हासिल हुई है।

एक दशक में डबल हुआ परिवारों का खर्च, हेल्थ-एजुकेशन पर बढ़ा फोकस

पिछले करीब एक दशक में देश के परिवारों का हर महीने का खर्च दोगुना से भी अधिक बढ़ गया है। इस दौरान परिवार के हर शख्स के घरेलू खर्च में भी बड़ा इजाफा दिखा है। यह जानकारी नेशनल सैंपल सर्वे ऑफसि (NSSO) की स्टडी से मिली है जिसने अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक देशभर में घरेलू खर्च को लेकर सर्वे किया था।

नई दिल्ली। पिछले करीब एक दशक में देश के परिवारों का हर महीने का खर्च दोगुना से भी अधिक बढ़ गया है। इस दौरान परिवार के हर शख्स के घरेलू खर्च में भी बड़ा इजाफा दिखा है। यह जानकारी नेशनल सैंपल सर्वे ऑफसि (NSSO) की स्टडी से मिली है, जिसने अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक देशभर में घरेलू खर्च को लेकर सर्वे किया था। ह्स्स्ह ने अपने सर्वे में पाया कि 2022-23 में ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों का हर महीने का औसतन खर्च 3,773 रुपये पर पहुंच गया है, जो 2011-12 में 1,430 रुपये था। वहीं, शहरी परिवारों की बात करें, तो उनका खर्च इस दौरान 2,630 रुपये से बढ़कर 6,459 रुपये हो गया।

NSSO के सर्वे के अनुसार Monthly Per-capita Consumer E&penditure (MPCE) शहरी क्षेत्रों में 2011-12 में 2,630 रुपये से बढ़कर 3,510 रुपये हो गया। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यह 1,430 रुपये से बढ़कर 2,008 रुपये हो गया। शहरी क्षेत्रों में मौजूदा कीमत पर औसत स्क्टश्व 2011-12 के 2,630 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 6,521 रुपये तक पहुंच गया। ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें, तो यह 1,430 रुपये से बढ़कर 2,054 रुपये हो गया है। स्क्टश्व का अनुमान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले केंद्रीय नमूने में 2,61,746 घरों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्र के 1,55,014 और शहरी क्षेत्र के 1,06,732 घर शामिल हैं।

क्यों किया जाता है यह सर्वे?

Ministry of Statistics and Programme Implementation के अंतर्गत आने वाला ह्स्स्ह यह सर्वे साल करता है। इसका मकसद यह पता लगाना होता है कि आम आदमी के खर्च में किस तरह से बदलाव हो रहा है। अलग-अलग राज्यों और शहरों में लोगों के खर्च करने का पैटर्न क्या है।

सर्वे से एजुकेशन और हेल्थ जैसी बुनियादी चीजों के बारे में भी पता चलता है, जिन पर लोग पहले की तुलना में अब ज्यादा खर्च कर रहे हैं। सरकार को इस सर्वे के आधार पर अपनी योजनाएं बनाने में भी मदद मिलती है।

निवेश से पैसा बढ़ाने के साथ बचेगा टैक्स, आपके लिए ही हैं ये 5 स्कीम

नया वित्त वर्ष शुरू होने में ज्यादा वक्त नहीं बचा है। ऐसे में आपको अभी से अगले फाइनेंशियल ईयर के लिए निवेश योजना तैयार कर लेनी चाहिए ताकि आपको अच्छा रिटर्न तो मिले ही साथ में टैक्स की भी बचत हो। हम पांच स्कीमों के बारे में बता रहे हैं जो आपको शानदार रिटर्न देंगी और टैक्स में छूट भी दिलाएंगी।

नई दिल्ली। नया वित्त वर्ष शुरू होने में ज्यादा वक्त नहीं बचा है। ऐसे में आपको अभी से अगले फाइनेंशियल ईयर के लिए निवेश योजना तैयार कर लेनी चाहिए, ताकि आपको अच्छा रिटर्न तो मिले ही, साथ में टैक्स की भी बचत हो।

हम पांच स्कीमों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको शानदार रिटर्न देंगी और टैक्स में छूट भी दिलाएंगी। लेकिन, आपको ध्यान रखना होगा कि ये फायदे आप ओल्ड टैक्स रिजीम में ही उठा सकते हैं।

नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS)

टैक्स बचाने और लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए लिहाज नेशनल पेंशन सिस्टम एक अच्छा विकल्प है। इसमें इनकम टैक्स कानून की धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत 50 हजार रुपये की टैक्स छूट मिल सकती है। इसमें हर साल के इनवेस्टमेंट पर टैक्स छूट का लाभ तो मिलता है, साथ ही आगे चलकर पेंशन आपके बुढ़ापे की लाठी भी बनता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) भी लॉन्ग टर्म स्कीम है। यह 15 साल में मेच्योर होती है, जिसे 5-5 साल के ब्लॉक्स में आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसमें एक वित्त वर्ष में 500 से लेकर 1.5 लाख रुपये निवेश किए जा सकते हैं। इस पर 7.1 फीसदी का ब्याज मिलता है। यह निवेश धारा 80सी के तहत आपको सालाना डेढ़ लाख रुपये की छूट दिला सकता है।

सुकन्या समृद्धि योजना

यह अच्छा रिटर्न पाने और टैक्स बचाने की सबसे बेहतरीन योजनाओं में से एक है। इसमें आप बेटी की उम्र 10 साल होने तक खाता खुलवा सकते हैं। सालाना निवेश की सीमा कम से कम 250 रुपये से लेकर डेढ़ लाख तक है। इसमें भी 1.5 लाख रुपये के सालाना निवेश पर सेक्शन 80सी के तहत छूट मिलेगी। सबसे अच्छी बात है कि रिटर्न और मैच्योरिटी वाली रकम भी पूरी तरह टैक्स-फ्री होगी।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (SCSS)

SCSS में 60 साल या इससे ज्यादा उम्र का कोई भी रिटायर्ड शख्स निवेश कर सकता है। सालाना 8.2 फीसदी ब्याज मिलेगा, जो कि एफडी के मुकाबले कहीं ज्यादा है। इसमें 1,000 से लेकर 15 लाख रुपये तक इनवेस्ट कर सकते हैं। धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक निवेश पर टैक्स छूट का लाभ भी मिलेगा। हालांकि, मसला यह है कि ब्याज वाली रकम पर टैक्स देना पड़ता है।

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (NSC)

यह स्कीम में सालाना आपको 7.7 फीसदी ब्याज देगी। इसमें कम से कम निवेश की सीमा 1 हजार रुपये है, लेकिन अधिकतम निवेश की कोई लिमिट नहीं। आप चाहे जितना पैसा इस योजना में लगा सकते हैं। इसमें भी आपको धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये तक की छूट मिल जाएगी।

क्या होता है ओवरड्राफ्ट लोन, कैसे पूरी करता है यह आपकी पैसों की जरूरत?

हम में अधिकतर लोग अपने मुश्किल दिनों के लिए बचत करते हैं। लेकिन कई बार इमरजेंसी के हालात में पैसों की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे में हम पर्सनल लोन या फिर फिक्स्ड डिपॉजिट तुड़वाते हैं। अगर आप ये नुकसान उठाए बिना पैसों की जरूरत पूरा करना चाहते हैं तो ओवरड्राफ्ट लोन ले सकते हैं। आइए जानते हैं कि इसका क्या फायदा होता है?

नई दिल्ली। हम में अधिकतर लोग अपने मुश्किल दिनों के लिए बचत करते हैं। लेकिन, कई बार इमरजेंसी के हालात में पैसों की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे में हम पर्सनल लोन या फिर FD (Fi&ed Deposit) तुड़वाते हैं, जिनका हमें नुकसान भी होता है। साथ ही कागजी प्रक्रिया पूरी करने में वक्त भी लगता है।

अगर आप ये नुकसान उठाए बिना पैसों की जरूरत पूरा करना चाहते हैं, तो ओवरड्राफ्ट लोन (Overdraft Loan) ले सकते हैं। आइए जानते हैं कि ओवरड्राफ्ट लोन कैसे लिया जाता है और इसका क्या फायदा होता है?

ओवरड्राफ्ट लोन (OD) क्या है?

यह असल में एक फाइनैंशियल फैसलिटी है। लेकिन, आप बैंक से मंजूरी मिलने के बाद ही इसका लाभ उठा सकते हैं।

बैंक अक्सर करंट अकाउंट, सैलरी अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) पर ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसमें आपको खाते में मौजूद बैलेंस से ज्यादा रकम निकालने की सहूलियत मिलती है। इस फैसिलिटी में आप जो रकम लेते हैं, उसे एक तय अवधि के भीतर वापस करना होता है। इस पर लगने वाले ब्याज की गणना डेली बेसिस पर होती है।

ओवरड्राफ्ट में कितनी रकम मिलती है?

इस फैसिलिटी के तहत मिलने वाली रकम बैंक तय करते हैं। यह काफी हद तक अकांउट हिस्ट्री, पेमेंट रिकॉर्ड या क्रेडिट स्कोर पर निर्भर करती है। अगर आपका सैलरी अकाउंट है, तो आपको सैलरी की दोगुनी या तिगुनी रकम भी मिल सकती है। इस फैसिलिटी में एक सालाना फीस भी लगती है। कस्टमर जब चाहे, इस सेवा को बंद करा सकते हैं।

सेविंग अकाउंट के क्या है नियम?

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले सेविंग अंकाउट को ओवरड्राफ्ट का लाभ मिलता है। वे 5 हजार रुपये या पिछले महीने में मौजूदा बैलेंस (जो भी कम हो) की चार गुना रकम ओवरड्राफ्ट के रूप में ले सकते हैं। शर्त यह है कि अकाउंट में पिछले छह महीने से बराबर लेन-देन हो रहा हो। परिवार के एक ही मेंबर को यह सुविधा मिलती है।

ओवरड्राफ्ट का फायदा क्या है?

यह सुविधा आपको कई फायदे देती है। मसलन- पर्सनल लोन में अप्रूव होने वाली सारी रकम पर ब्याज की गणना होती है। लेकिन, आप ओवरड्राफ्ट लोन में मंजूर राशि पर ब्याज नहीं लगता। आप अकाउंट से जितनी रकम निकालकर इस्तेमाल करेंगे, उसी पर ब्याज देना होगा। साथ ही, रकम जितने वक्त तक आपके पास रहेगी, ब्याज भी तभी तक लगेगा। यानी आप जितनी जल्दी लोन वपस करेंगे, उतनी ही जल्दी किस्त से निजात भी पा जाएंगे।

लोन जल्दी चुकाने के लिए पर्सनल लोन की तरह लोन समय से पहले क्लोज करने के लिए प्री-पेमेंट चार्ज जैसा झंझट भी नहीं रहता।

प्रोसेसिंग फीस भी नहीं देनी होती, जो बाकी अन्य लोन का अहम हिस्सा होता है।

अगर लोन नहीं चुका पाएं तो?

अगर आप समय पर ओवरड्राफ्ट राशि नहीं चुका पाते, तो बैंक आपके मौजूदा या बचत खाते से बकाया रकम निकाल सकता है। राशि और ब्याज दर की राशि निकाल सकता है। ओवरड्राफ्ट फैसिलिटी के लिए आवेदन करने पर क्रेडिट स्कोर पर कोई बड़ा असर नहीं होता।

लेकिन, आप समय पर रकम चुकाने में डिफॉल्ट करते हैं तो इससे आपका CIBIL स्कोर प्रभावित होगा।

क्यों लगता है सूर्य और चंद्र ग्रहण, जानिए इस दौरान पूजा करनी चाहिए या नहीं ?

सूर्य और चंद्र ग्रहण (Solar Eclipse And Lunar Eclipse 2024) के दौरान आंतरिक मन से यानी बिना पूजा-पाठ किए भगवान का भजन-कीर्तन करना चाहिए। इसके अलावा इस दौरान कुछ भी न खाने और पीने की सलाह दी जाती है। वहीं खाने-पीने की सभी चीजों में तुलसी पत्र डाल दिया जाता है ताकि वह शुद्ध और खाने योग्य रहें।

नई दिल्ली। इस साल का पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि यानी 25 मार्च होली के दिन लग रहा है, जिसका असर इस महापर्व पर दिखने वाला है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इसका मानव स्वास्थ्य और उनके कल्याण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आज हम चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों के बारे में जानेंगे।

क्यों लगता है सूर्य और चंद्र ग्रहण ?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सूर्य और चंद्र ग्रहण की कथा को लेकर ऐसा कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान 14 रत्नों में से एक अमृत का कलश बाहर आया था, जिसको लेकर देवताओं और असुरों के बीच विवाद छिड़ गया था। यह देखकर भगवान विष्णु ने मोहिनी का रुप धारण किया और सभी को बारी-बारी से अमृतपान कराने की बात कही, लेकिन जब देवताओं को अमृत बांटा जा रहा था, तभी स्वरभानु नाम के राक्षस ने छल से रूप बदलकर सूर्यदेव और चंद्रदेव के मध्य में बैठकर दिव्य अमृत का पान कर लिया, हालांकि उसके इस छल को दोनों ही देवताओं ने पहचान लिया।

जिसकी जानकारी उन्होंने जग के पालनहार भगवान विष्णु को दी, इस बात से क्रोधित होकर श्री हरि ने सुर्दशन चक्र से स्वरभानु का सिर धड़ से अलग कर दिया, लेकिन तब तक उस असुर ने अमृत की कुछ बूंदे ग्रहण कर ली थी, जिससे उसका शरीर दो हिस्सों में अमर हो गया। उसके सिर वाला हिस्सा राहु कहलाया और धड़ वाला केतु। यही कारण है कि राहु-केतु सूर्य-चंद्रमा से बदला लेने के लिए उन्हें समय-समय पर आज भी अपना ग्रास बना लेते हैं, जिसके चलते ग्रहण लगता है।

ग्रहण के दौरान पूजा होती है या नहीं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण के दौरान पूजा नहीं करनी चाहिए। यही वजह है कि ग्रहण की अवधि के दौरान सभी मंदिरों के कपाट कुछ घंटे पहले ही यानी सूतक काल में बंद कर दिए जाते हैं। साथ ही इस समय मंदिर जाना भी अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि आंतरिक मन से बिना पूजा-पाठ किए भगवान का भजन-कीर्तन करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा इस दौरान कुछ भी न खाने और पीने की सलाह दी जाती है। वहीं खाने-पीने की सभी चीजों में तुलसी पत्र डाल दिया जाता है, ताकि वह शुद्ध और खाने योग्य रहें।

बाबा खाटू श्याम मंदिर में भक्त क्यों लेकर जाते हैं निशान? जानें इसका रहस्य

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर है। बाबा खाटू श्याम के दर्शन करने के लिए रोजाना अधिक संख्या में भक्त पहुंचते हैं। जो श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने के लिए जाते हैं। उनमें से अधिकतर लोग अपने साथ खाटू श्याम का ध्वज लेकर जाते हैं जिसे निशान कहा जाता है। आइए जानते हैं श्रद्धालु बाबा श्याम को निशान क्यों अर्पित करते हैं।

नई दिल्ली। Khatu Shyam Mandir: राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर है। यह मंदिर देशभर में बेहद प्रसिद्ध है। यहां भगवान श्रीकृष्ण के साथ पांडव भीम के पोते और घटोत्कच्छ के पुत्र की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। रोजाना अधिक संख्या में भक्त बाबा खाटू श्याम के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। जो श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने के लिए जाते हैं। उनमें से अधिकतर लोग अपने साथ खाटू श्याम का ध्वज लेकर जाते हैं, जिसे निशान कहा जाता है। आइए जानते हैं श्रद्धालु बाबा श्याम को निशान क्यों अर्पित करते हैं।

ये है वजह

हिंदू धर्म में ध्वज को विजय का प्रतीक माना गया है। खाटू श्याम जी को निशान (ध्वज) अर्पित करने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है और आज भी बाबा श्याम को निशान चढ़ाया जाता है।

निशान को झंडा और ध्वज कहा जाता है।

निशान को बाबा श्याम द्वारा दिया गया बलिदान और दान का प्रतीक माना गया है। क्योंकि भगवान कृष्ण के कहने पर धर्म की जीत के लिए उन्होंने अपना शीश समर्पित कर दिया था और साथ ही युद्ध की जीत का श्रेय भगवान श्री कृष्ण को दिया था।

रेड कार्पेट दिल्ली ने छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को 22 रन से हराया, रिचर्ड लेवी ने जड़ा तूफानी शतक

रेड कार्पेट दिल्ली ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 255 रनों का विशाल स्कोर बनाया। रिचर्ड लेवी ने शानदार शतक लगाया और अंत में थिसारा परेरा ने आतिशी पारी खेली। उसके बाद छत्तीसगढ़ के लिए नमन ओझा और सौरभ तिवारी ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम का स्कोर 233 तक पहुंचा दिया लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

नई दिल्ली। इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (IVPL) 2024 के दूसरे मैच में रेड कार्पेट दिल्ली ने छत्तीसगढ़ वॉरियरर्स को 22 रन से हराया। यह मुकाबला शनिवार को ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पाठिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला गया। इस मैच में रिचर्ड लेवी ने शानदार शतक लगाया और दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई।

रेड कार्पेट दिल्ली ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 255 रनों का विशाल स्कोर बनाया। रिचर्ड लेवी ने शानदार शतक लगाया और अंत में थिसारा परेरा ने आतिशी पारी खेली।

उसके बाद छत्तीसगढ़ के लिए नमन ओझा और सौरभ तिवारी ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम का स्कोर 233 तक पहुंचा दिया, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की टीम 20 ओवर में 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने गंवाया मैच

बता दें कि लक्ष्य का पीछे करते हुए छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को आखिरी दो ओवर में 45 रन जीत के लिए चाहिए थे, लेकिन टीम 22 रन ही बना सकी और 22 रन से मुकाबला गंवा दिया। टीम 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

रेड कार्पेट दिल्ली के लिए समीउल्लाह बेग ने 4 विकेट लिए और बिपुल शर्मा को तीन सफलताएं मिलीं।

अगले मैचों का शेड्यूल

छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की टीम अब अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को मुंबई चैंपियंस का सामना करेगी। मुंबई ने पहले मैच में तेलंगाना टाइगर्स को हराया था। रेड कार्पेट दिल्ली की टीम रविवार को वीवीआईपी उत्तर प्रदेश का सामना करेगी। रविवार को ही एक मुकाबला दोपहर में राजस्थान लेजेंड्स और तेलंगाना टाइगर्स के बीच भी खेला जाएगा।

Save Water
Save Tree

CSK की खुशी का ठिकाना नहीं, 8.4 करोड़ रुपये की कीमत वाले बल्लेबाज ने IPL 2024 से पहले जड़ दिया शानदार शतक

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स के युवा क्रिकेटर समीर रिजवी ने आईपीएल 2024 से पहले अपना टॉप फॉर्म पा लिया है। उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज ने रविवार को कानपुर में सौराष्?ट्र के खिलाफ कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में शानदार शतक जड़ा। उत्तर प्रदेश और सौराष्ट्र के बीच अंडर-23 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रिजवी ने अपनी क्लास दिखाई और पहले दिन 117 गेंदों में 134 रन बनाए। सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। रिजवी ने सौराष्ट्र के टॉस जीतने के फैसले को गलत साबित किया और ताबड़तोड़ शतक ठोका। वो 134 रन बनाकर नाबाद रहे।

रिजवी के शतक की मदद से यूपी ने पहले दिन स्टंप्स तक 5 विकेट खोकर 426 रन बना लिए थे। रिजवी ने 114.53 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और अपनी पारी के दौरान 14 चौके व छह छक्के जड़े। चेन्नई सुपरकिंग्स ने रिजवी के अंडर-23 टूर्नामेंट में शतक जमाने पर खुशी जाहिर की और एक विशेष पोस्ट किया।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने समीर रिजवी का फोटो शेयर करके कैप्शन लिखा, एक तीन चार, यहां आई दहाड़।

समीर रिजवी ने बनाया रिकॉर्ड

20 साल के समीर रिजवी ने आईपीएल 2024 नीलामी में काफी सुर्खियां बटोरी थी। ऑलराउंडर को खरीदने के लिए सीएसके और गुजरात टाइटंस के बीच गजब की लड़ाई देखने को मिली थी। 20 लाख की बेस प्राइस वाले रिजवी की बोली 8.40 करोड़ रुपये पर जाकर रुकी, जिसके चलते वो सबसे महंगे अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बने।

इस तरह चर्चा में आएं

समीर रिजवी ने यूपी टी20 के उद्घाटन सीजन में सबसे तेज शतक जड़ा था। दांए हाथ के बल्लेबाज ने 49.16 की औसत और 134.70 के स्ट्राइक रेट से घरेलू टी20 में रन बनाए। फैंस यह जानने को बेकरार हैं कि रिजवी की फिनिशिंग शैली सीएसके में एमएस धोनी की कप्तानी में निखरेंगी या नहीं। चेन्नई सुपरकिंग्स 22 मार्च को बेंगलुरु के एम चन्निास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आईपीएल 2024 का उद्घाटन मुकाबला खेलेगी।

ट्रैफिक का प्रदूषण बन सकता है आपके दिमाग का दुश्मन, स्टडी में सामने आया डिमेंशिया से इसका संबंध

वायु प्रदूषण की वजह से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं जिसमें डिमेंशिया भी शामिल है। ट्रैफिक से होने वाला प्रदूषण दिमागी सेहत को काफी प्रभाव करता है। इस बारे में हाल ही में एक स्टडी सामने आई है। इस स्टडी में इसके कारण और प्रभाव पता लगाने की कोशिश की गई है। जानें क्या पाया गया इस स्टडी में और कैसे कर सकते हैं प्रदूषण से बचाव।

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण सेहत के लिए किसी श्राप से कम नहीं है। इस वजह से सेहत से जुड़ी कितनी ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसका आपको कुछ हद तक अंदाजा होगा। वायु प्रदूषण की वजह से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले अंग फेफड़े हैं। हवा के जरिए शरीर में प्रवेश करने वाले प्रदूषक सबसे पहले फेफड़ों में पहुंचते हैं, जिस कारण से उन्हें सबसे पहले नुकसान होता है, लेकिन फेफड़ों के जरिए प्रदूषक ब्लड वेसल्स में भी प्रवेश कर सकते हैं, जिनमें क्रू2.5 सबसे छोटा प्रदूषक होता है, जो आसानी से ब्लड में जा सकता है और ब्लड में मिलकर शरीर के किसी भी हिस्से तक पहुंच सकते हैं।

क्या है यह नई स्टडी?

अभी तक आपने सुना होगा कि वायु प्रदूषण की वजह से दिल की बीमारियां, रेस्पिरेटरी डिजीज, डायबिटीज और रिप्रोडक्टिव ऑर्गन्स प्रभावित होते हैं, लेकिन इसकी वजह से आपके दिमाग पर भी काफी गंभीर नकरात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। हाल ही में, इस बारे में एक स्टडी सामने आई है, जिसमें ट्रैफिक की वजह से होने वाले प्रदूषण का दिमाग पर क्या असर होता है, इस बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है।

न्यूरोलॉजी में पब्लिश हुई स्टडी में यह बताया गया है कि ट्रैफिक की वजह से होने वाला प्रदूषण डिमेंशिया के गंभीर प्रकार के लिए जिम्मेदार हो सकता है। साथ ही, जिन व्यक्तियों में डिमेंशिया के जीन मौजूद नहीं है, उनमें भी डिमेंशिया का प्रमुख कारण बन सकता है।

क्यों बढ़ता है डिमेंशिया का खतरा?

हवा में प्रदूषण के क्रू2.5 पार्टिकल्स मौजूद होते हैं, जो ब्लड-ब्रेन बैरियर को पार कर सकता है, जिस वजह से यह दिमाग तक पहुंचकर आसानी से नुकसान पहुंचा सकता है। इस स्टडी में यह पाया गया कि जिन व्यक्ति को ट्रैफिक की वजह से होने वाले प्रदूषण का ज्यादा सामना करना पड़ता है, उनमें डिमेंशिया के लिए जिम्मेदार माना जाना वाला अमाइलॉइड प्लेग अधिक मात्रा में पाया गया। यह प्लेग न्यूरॉन्स पर इकट्ठा होने लगता है, जिससे कॉग्नीटिव हेल्थ पर प्रभाव पड़ता है और डिमेंशिया का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इस प्लेग को डिमेंशिया के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इसके पलहे जामा इंटरनल मेडिसिन में भी इस बारे में एक स्टडी पब्लिश हुई थी, जिसमें यह पाया गया था कि जो व्यक्ति अधिक प्रदूषण में रहते हैं, उनमें डिमेंशिया का खतरा काफी अधिक रहता है।

क्या है डिमेंशिया?

अल्जाइमर्स एसोशिएशन के अनुसार, डिमेंशिया खुद में कोई बीमारी नहीं है बल्कि, वह कई बीमारियों का समूह है, जो दिमागी सेहत को प्रभावित करते हैं। इनमें अल्जाइमर सबसे आम है। इस कंडिशन में व्यक्ति की कॉग्नीटिव हेल्थ प्रभावित होती है, जिसकी वजह से रोज के छोटे-मोटे काम करने में भी व्यक्ति असमर्थ होता जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, दुनियाभर में लगभग 5.5 करोड़ लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं।

कैसे कर सकते हैं वायु प्रदूषण से बचाव?

अपने घर या दफ्तर के आस-पास के क्रू लेवल को नियमित रूप से चेक करें। प्रदूषण अधिक होने पर बिना मास्क के बाहर न निकलें। हर छोटी राइड के लिए अपनी कार का इस्तेमाल न करें। इसके बदले पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे- मेट्रो का इस्तेमाल करें, इससे प्रदूषण कम होता है और आपको भी कम प्रदूषण का सामना करना पड़ेगा।

घर में और गाड़ी में एयर प्योरिफायर का इस्तेमाल करें।

डाइट में गुड़ और विटामिन-सी व ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर फूड आइटम्स को शामिल करें। घर के अंदर इंडोर प्लांट्स लगाएं ताकि घर के भीतर की हवा शुद्ध रहे। डिटॉक्सीफाइंग ड्रिंक्स पीएं, जैसे हर्बल टी।

Pankaj Udhas Death: नहीं रहे विख्यात गजल गायक पंकज उधास, यादों में गूंजती रहेगी उनकी आवाज

मशहूर गजल सिंगर पंकज उधास का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। गजल की दुनिया का बड़ा नाम रहे पंकज के जाने से इंडस्ट्री में शोक की लहर छा गई है। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर गाने दिए। नाम फिल्म की गजल चिट्ठी आई है आज भी याद की जाती है।

नई दिल्ली। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से बुरी खबर सामने आई है। मशहूर गजल सिंगर पंकद उधास का निधन हो गया है। उन्होंने 72 की उम्र में अंतिम सांस ली। पंकज की बेटी नायाब उधास ने उनकी मौत की खबर सोशल मीडिया पर शेयर की।

लंबी बीमारी के बाद कहा अलविदा

गजल गायक की मौत की खबर उनकी फैमिली के साथ ही फैंस के लिए भी किसी सदमे से कम नहीं है। हर किसी ने सोशल मीडिया पर नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी है। पंकज उधास की बीमारी का कारण उनका लंबे समय से बीमार होना बताया जा रहा है। उनका निधन 26 फरवरी को कैंडी अस्पताल में हुआ।

इन गजलों को दी आवाज

पंकज उधास ने गजल गाकर खूब नाम और शोहरत कमाया था। उनकी मशहूर गजलों में चिट्ठी आई है है। यह गजल 1986 में रिलीज हुई फिल्म नाम से थी।

इसके अलावा उन्होंने चांदी जैसा रंग है तेरा, ना कजरे की धार, न मोतियों की हार, घूंघट को मत खोल, थोड़ी थोड़ी पिया करो चुपके चुपके सखियों से वो बातें करना भूल गई और आहिस्ता कीजिए बातें निकलो न बेनकाब, दीवारों से मिलकर रोना अच्छा लगता है, एक तरफ उसका घर जैसी कुछ अन्य बेहतरीन गजलें गाकर नाम कमाया था। ये सभी गजलें उनकी यादगार गजलों में से एक हैं।

इन अवॉर्ड्स से नवाजे गए पंकज

सिंगिंग में अपना लोहा मनवाने वाले पंकज उधास को उनके योगदान के लिए कई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इनमें सबसे अहम पद्मश्री है, जो कि उन्हें 2006 में मिला था।

सेलिब्रिटीज ने जताया दुख

पंकज उधास के निधन पर सोनू निगम जैकी श्रॉफ, मनोज बाजपेयी, सहित कई सितारों ने दुख जताया है।

सिरदर्द से चुटकियों में राहत दिला सकती हैं ये चाय, सेहत के लिए हैं फायदेमंद

सिरदर्द की समस्या बेहद आम है जो आमतौर पर नींद पूरी न होने तनाव अधिक होने या स्क्रीन टाइम ज्यादा होने की वजह से हो सकती है। इस परेशानी की वजह से हमारे रोज को काम प्रभावित होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ खास तरह की चाय सिर दर्द दूर करने में मदद कर सकती हैं।

नई दिल्ली। सिरदर्द एक आम समस्या है, जो कई कारणों की वजह से हो सकता है।इस समस्या से अक्सर लोगों को जूझना पड़ता है। काम, रिलेशनशिप, करियर, पढ़ाई, पैसों की चिंता आदि जैसे कई कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह से व्यक्ति के रातों का चैन तक उड़ जाता है।

अक्सर इन चिंताओं की वजह से व्यक्ति को नींद नहीं आने की समस्या होने लगती है, जो सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। इससे होने वाली सबसे आम समस्या है सिरदर्द होना, जिससे समस्या और अधिक तकलीफदेह हो जाती है। सिरदर्द की समस्या की वजह से व्यक्ति को अपने रोज के साधारण काम करने में भी काफी परेशानी हो सकती है।

इस कारण से अक्सर व्यक्ति को दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे सिरदर्द तो दूर हो जाता है, लेकिन इनके इस्तेमाल से साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं।

इसलिए सिरदर्द की समस्या को घरेलू नुस्खे अपनाकर भी दूर किया जा सकता है। आज हम आपके कुछ चाय के बारे में बताने वाले हैं, जिनमें कैफीन नहीं पाया जाता और जिन्हें पीकर आप सिरदर्द दूर भी कर सकते हैं।

पिपरमिंट टी

पिपरमिंट या पुदीना की चाय में मिंथोल पाया जाता है, जो मानसिक शांति प्रदान करता है। इससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और सिरदर्द दूर हो जाता है।

अदरक की चाय)

अदरक में एंटी इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सिरदर्द को दूर करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से टेंशन कम होती है।

केमोमाइल टी

केमोमाइल टी में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को रिलेक्स करके, मन को शांत रखते हैं। इसके सेवन से तनाव दूर होता है और अच्छी नींद आती है।

लैवेंडर टी

लैवेंडर टी की खुशबू तनाव दूर करने में मदद करती है, जिससे दिमाग शांत रहता है और सिरदर्द की समस्या भी दूर हो सकती है।

ब्लू टी

ब्लू टी में एल-थेनाइन नाम का कंपाउंड पाया जाता है, जो शरीर को आराम देता है। इसे पीने से तनाव का स्तर कम करने में मदद मिलती है।

अजवाइन की चाय

अजवाइन की चाय में थाइमोल की मात्रा अधिक होती है, जो एक दर्द निवारक कंपाउंड है। इसे पीने से सिरदर्द से राहत मिल सकती है।

सब्जी में पड़ गई है ज्यादा मिर्च, तो हायतौबा मचाने की जगह अपनाएं ये 5 टिप्स

किचन में मेहनत से बनाई सब्जी जब आखिर में टेस्ट करने पर जरूरत से ज्यादा तीखी निकलती है तो पूरा दिमाग ही खराब हो जाता है। ऐसे में अगर आपको भी समझ नहीं आता है कि इसे कैसे ठीक करें तो ये आर्टिकल यहां हम आपको पांच ऐसे कारगर टिप्स बताने जा रहे हैं जो तीखी हो चुकी सब्जी को भी एकदम परफेक्ट कर देंगे।

नई दिल्ली। खाना पकाते समय कितना भी ध्यान रखा जाए, लेकिन कई बार कुछ गलतियां ऐसी हो ही जाती हैं, जिनसे पूरी मेहनत बर्बाद चली जाती है। जी हां, अगर खाने में मिर्च ज्यादा हो जाए, तो कई लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं या फिर इसे फेंकने का रास्ता चुनते हैं। ऐसे में इस आर्टिकल में हम आपको ये गलती सुधारने के पांच बेहतरीन तरीके बताएंगे, जिन्हें फॉलो करके आप भी ज्यादा स्पाइसी हो

टमाटर का पेस्ट

सब्जी में तीखापन ज्यादा हो जाए, तो आप इसमें टमाटर का पेस्ट एड कर सकती हैं। इसके लिए आपको एक अलग पैन में थोड़ा ऑयल डालकर टमाटर के पेस्ट को फ्राई कर लेना है और सब्जी में मिला देना है।

देसी घी या मक्खन

किसी डिश में मिर्ची ज्यादा डल जाए तो उसे बैलेंस करने के लिए आप इसमें थोड़ा देसी घी या मक्खन भी मिला सकते हैं। इससे न सिर्फ इसका तीखापन हो जाएगा, बल्कि खाने का टेस्ट भी बढ़ जाएगा।

मैदा का यूज

खाने में अगर मिर्च ज्यादा हो जाती है, तो आप इसे ठीक करने के लिए मैदा का यूज भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको थोड़े से चेल में 3-4 चम्मच मैदा सेक लेना है और इसके बाद इसे सब्जी में मिला देना है। अगर सब्जी की ग्रेवी ज्यादा पतली है, तो इस ट्रिक से उसे गाढ़ा भी बनाया जा सकता है।

शहद का इस्तेमाल

सब्जी का चटपटापन कम करने के लिए आप इसमें थोड़ा शहद या शक्कर भी मिला सकते हैं। ऐसा करने से सब्जी में थोड़ी मिठास आ जाएगी जिससे तीखापन बैलेंस हो जाएगा।

मलाई करें यूज

जरूरत से ज्यादा तीखी सब्जी को खाने लायक बनाने के लिए मलाई का यूज भी काफी कारगर है। इससे न सिर्फ तीखापन कम होता है, बल्कि सब्जी भी गाढ़ी हो जाती है। इसके लिए आपको थोड़ी मलाई लेकर सब्जी में मिलाकर इसे मीडियम फ्लेम पर कुक कर लेना है।

Parenting Tips: बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए उन्हें जरूर सिखाएं ये अच्छी आदतें

बच्चों में बचपन से ही अच्छी आदतें डाली जाए तो वे बड़े होने के बाद भी उन संस्कारों को नहीं भूलते और अच्छे इंसान बनते हैं। इसलिए बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्षों में ही उन्हें अच्छी आदतों के बारे में बताना चाहिए जो आगे चलकर भी उनके काम आएंगे। जानें बच्चों के व्यवहार में किन जरूरी बातों को शामिल करना चाहिए।

नई दिल्ली। Parenting Tips: कोई भी बच्चा एक कच्चे घड़े की तरह होता है, जिसके व्यक्तित्व के निर्माण की जिम्मेदार उसके माता-पिता की होती है। बच्चे में कैसे गुण आएंगे, इसके पीछे काफी बड़ी और अहम भूमिका पेरेंट्स निभाते हैं। इसीलिए बच्चे अपने माता-पिता का आईना होते हैं क्योंकि उनमें उनके संस्कारों की छवि दिखती है। कई बार छोटे बच्चे कुछ ऐसी बातें या कुछ ऐसा काम कर जाते हैं, जिस पर सभी को गर्व होता है। इसका कारण है, उनके पैरेंट्स जिन्होंने उन्हें इतने अच्छे संस्कार दिए हैं। इसलिए बच्चों को ऐसी आदतें सिखानी चाहिए, जिनकी मदद से वे आगे चलकर अच्छे व्यक्ति बनें और बड़ों व छोटों का सम्मान करें। कुछ आदतें ऐसी होती हैं, जो ऐसे बच्चों में देखने को मिलती है। आइए जानते हैं, बच्चों के इन्हीं अच्छी आदतों के बारे में।

आभार व्यक्त करना

बच्चों की सबसे अच्छी आदत होती है आभार व्यक्त करने की। वे अपने माता-पिता या किसी भी रिलेटिव द्वारा किए गए छोटे से छोटे उपकार को मानते हैं और बदले में धन्यवाद, थैंक यू या आभार व्यक्त करना जानते हैं और सबके प्रति कृतज्ञ भी होते हैं।

सहानुभूति की भावनाएं विकसित होना

सहानुभूति और केयरिंग होना अच्छे बच्चों की पहचान होती है। वे किसी भी व्यक्ति की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसे में उनके द्वारा की गई हेल्प की आपको सराहना करनी चाहिए। इससे उनकी औरों की मदद करने की भावना और मजबूत होगी।

अपनी विचारधारा प्रकट करना

बच्चों द्वारा खुद की बातों को सबके सामने पेश करना उनकी कौशलता की निशानी है। अगर इसमें कहीं कोई कमी है तो इसमें आपतको उनकी मदद करनी चाहिए ताकि वे अपने मन की बात को सबके सामने खुलकर व्यक्त कर सकें। हालांकि, इस दौरान इस बात का ख्याल रखें कि आप उनके विचार न बदलें, लेकिन अगर कुछ गलत है, तो उसमें सुधार जरूर करें।

जिम्मेदारियों की समझ

बच्चों को उनकी जिम्मेदारियों की समझ होती है। उन्हें यह पता होता है कि बड़े होकर उन्हें भी कुछ करना है ओर अपने छोटे भाई-बहनों का खयाल रखते हुए उनका रोल मॉडल बनना है।

अपनी लिमिट और वक्त का खयाल रखना

बच्चे अपनी लिमिट का बखूबी खयाल रखते हुए समय के पाबंद होते हैं। तय समय में अपना काम पूरा कर लेते है। उन्हें इस बात के बारे में पता होना चाहिए कि समय मूल्यवान है और इसे बरबाद न करें।

दया की भावना

ऐसे बच्चों में दया का भाव भी होता है, फिर वे चाहे इंसान के प्रति हो या फिर जानवर के प्रति।

धैर्य रखना

ऐसे बच्चे में पेशेंस भी होता है। जैसे वे अगर कुछ खाने की चीज मिल रही है, तो वे अपने भाई-बहन से छीनकर नहीं खाएंगे बल्कि, अपनी बारी का इंतजार करेंगे। उनका धैर्य उनकी पहचान होती है।

इस सुपरस्टार के काया-पलट से ब्लॉकबस्टर हुई अमिताभ बच्चन की डॉन कर्ज चुकाने के लिए बनी थी फिल्म

Don साल 1978 की सुपरहिट फिल्म रही। Amitabh Bachchan और Zeenat Aman ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म ने भले ही रिलीज के बाद कामयाबी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिया था लेकिन इसे पर्दे पर उतारने के लिए काफी मुश्किलें झेलनी पड़ी। सिनेमा के एक सुपरस्टार को आखिर में फिल्म की कहानी भी बदलनी पड़ी थी।

नई दिल्ली। साल 1978 में रिलीज हुई फिल्म डॉन अमिताभ बच्चन के करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में एंटी हीरो बने अमिताभ अपनी शानदार परफॉर्मेंस के दम पर फैंस के दिल में उतर गए थे। खैर, थिएटर्स में भले ही फिल्म के लिए खूब सीटियां बजी हों, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म को बनाने के पीछे कितना संघर्ष करना पड़ा? डॉन का निर्माण दिवंगत प्रोड्यूसर नरीमन ईरानी ने किया था। इसका निर्देशन चंदर बरोट ने किया था और मुख्य भूमिकाओं में अमिताभ बच्चन, जीनत अमान, प्राण, मैक मोहन और ओम शिवपुरी जैसे कलाकार थे। इस फिल्म को बनाने में नरीमन को बहुत पापड़ बेलना पड़ा। सलीम-जावेद की लिखी इस कहानी को लोगों ने खरीदने से भी मना कर दिया था।

कर्ज चुकाने के लिए बनी थी डॉन

क्या आप जानते हैं कि डॉन को बनाने के पीछे की क्या वजह थी? नरीमन ने यह फिल्म अपने ऊपर लदे लाखों के कर्ज से छुटकारा बनाने के लिए बनाई थी। उन पर करीब 12 लाख रुपये का कर्ज था। हालांकि, फिल्म की रिलीज से पहले ही नरीमन का एक एक्सीडेंट में निधन हो गया था। नरीमन के निधन से लगा था कि यह फिल्म पर्दे पर कभी नहीं उतरेगी, लेकिन निर्देशक ने शूटिंग जारी रखने का फैसला लिया था।

कास्ट ने नहीं ली थी डॉन के लिए फीस

डॉन के लिए न ही अमिताभ बच्चन और ना ही जीनत अमान ने फीस ली थी। उनका नरीमन से अच्छा रिश्ता था और वे जानते थे कि निर्माता यह फिल्म क्यों बना रहे हैं। चंदर के साथ-साथ अमिताभ और जीनत ने भी फैसला किया कि वह फीस नहीं लेंगे। उनका कहना था कि अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म करेगी, तभी वे पैसे लेंगे।

कोई नहीं खरीदना चाहता था डॉन की कहानी

नरीमन और चंदर से पहले कोई भी सलीम-जावेद की लिखी डॉन की कहानी को खरीदना नहीं चाहता था। नरीमन ने सलीम-जावेद पर यकीन किया और इस पर फिल्म बनाने का फैसला लिया। उस वक्त फिल्म को कोई टाइटल भी नहीं मिला था और ना ही मूवी में कोई गाना था। तब नरीमन फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर सुपरस्टार मनोज कुमार के पास पहुंचे।

मनोज कुमार की वजह से डॉन को मिला सुपरहिट गाना

पूरी कहानी पढ़ने के बाद उन्होंने निर्माता-निर्देशक को सलाह दी कि फिल्म में सिर्फ मार-धाड़ और एक्शन है। इसलिए सेकंड हाफ में एक गाना डालने की जरूरत है। फिर क्या, मनोज कुमार की सलाह के बाद नरीमन म्यूजिक कंपोजर कल्याण जी के पास गए और एक हल्का-फुल्का गाना बनाने की गुजारिश की।

तब जाकर खईके पान बनारस गाना बना और यह फिल्म की जान बन गया। यह गाना सदाबहार गानों में से एक है।

नहीं चाहते बदलते मौसम में हो खांसी-जुकाम के शिकार, तो ये आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां हैं मददगार फेफड़ों को हेल्दी रखने में मददगार हैं ये जड़ी-बूटियां

सर्दियां जा चुकी हैं और बसंत दस्तक दे चुका है। इस खूबसूरत मौसम में तापमान में अचानक बदलाव की वजह से रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए रेस्पिरेटरी सिस्टम का ख्याल रखना बेहद आवश्यक होता है। इसमें आयुर्वेद काफी मददगार साबित हो सकता है। जानें रेस्पिरेटरी सिस्टम को हेल्दी रखने के लिए किन आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नई दिल्ली। Respiratory Health: कोविड-19 से लेकर बढ़ते हुए प्रदूषण तक, ऐसे कई कारण हैं, जिनकी वजह से हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम पर काफी गहरे और नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। फेफड़े, जो हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, इन वजहों से इन्फेक्टेड और कई मामलों में खराब भी हो सकते हैं।

बदलते मौसम में भी रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं, जिसमें खांसी-जुकाम और बलगम की समस्या का खतरा सबसे अधिक रहता है। इसलिए अपने रेस्पिरेटरी सिस्टम का ख्याल रखना बेहद आवश्यक होता है। रेस्पिरेटरी सिस्टम का ख्याल रखने में आयुर्वेद कारगर साबित हो सकता है। आयुर्वेद में फेफड़ों को मजबूत बनाए रखने के लिए बहुत सारी जड़ी बूटियां हैं, जिनकी मदद से फेफड़ों को हेल्दी बनाए रखने में काफी मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं कि फेफड़ों को मजबूत बनाए रखने के लिए किन जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया जा सकता है। फेफड़े को मजबूत बनाए रखने वाली जड़ी बूटियां

मूलेठी

आयुर्वेद में मुलैठी अपने मीठे और ठंडे गुणों के कारण जाना जाती है। इसका यही गुण रेस्पिरेटरी सिस्टम में होने वाले संक्रमण से राहत दिलाने में मदद करती है। ये सर्दी, जुकाम, खांसी और गले के तकलीफ में भी आराम दिलाती है। ये गले में जमा बलगम को भी निकालने में मदद करती है।

तुलसी

औषधिय गुणों से भरपूर तुलसी रेस्पिरेटरी सिस्टम संबंधित परेशानियों को खत्म करने में सक्षम होती है। यह सर्दी, जुकाम, खांसी जैसी समस्याओं को प्रभावी तरीकों से दूर करने में मदद करती है। इतना ही नहीं, तुलसी हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने में भी मदद करती है, जिससे इन्फेक्शन का खतरा कम होता है।

सोंठ (सूखा अदरक)

सोंठ जो कि सूखा अदरक होता है, सूखने के बाद पाउडर के रूप में काढ़ा बनाकर या फिर शहद के साथ लेने से रेस्पिरेटरी सिस्टम संबंधित सभी परेशानियों में राहत दिलाता है। यह संक्रमित फेफड़ों में होने वाली सूजन को कम करने में भी मदद करता है, जिससे गले की खराश और खांसी की समस्या से भी निजात मिलता है ।

पिप्पली (पीपर)

पिप्ली को पीसकर, इसके चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर लगातर एक हफ्ते तक सेवन करने से, सर्दी जुकाम और खांसी की समस्या से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, फेफड़े के इन्फेक्शन में इसे खाने से काफी हद तक राहत मिल सकती है। इसलिए यह रेस्पिरेटरी सिस्टम के लिए बेहद लाभदायत मानी जाती है।

बिभितकी

त्रिफला चूर्ण में से एक जड़ी बूटी है बहेड़ा, जिसे बिभितकी भी कहते हैं। यह हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को दुरुस्त करने वाली एक बेहद कारगर आयुर्वेदिक औषधी है। यह गले की सूजन को कम करने में मदद करती है और सर्दी खांसी जुकाम में आराम दिलाती है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश एवं प्रदेश को दी अनेकों रेल परियोजनाओं की सौगातें

नीमच में रेल्वे स्टेशन के पुर्नविकास कार्यो का शिलान्यास सम्पन्न
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश एवं प्रदेश को दी अनेकों रेल परियोजनाओं की सौगातें नीमच में रेल्वे स्टेशन के पुर्नविकास कार्यो का शिलान्यास सम्पन्न

नीमच। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 554 रेल्वे स्टेशनों के पुर्नविकास एवं 1500 रोड ओव्हर ब्रीज अण्डर पास का शिलान्यास, उदघाटन एवं राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें नीमच के रेल्वे स्टेशन के पुर्नविकास का भी वर्चुअली शिलान्यास भी शामिल है।

इस मौके पर सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक नीमच दिलीप सिह परिहार, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिह चौहान, कलेक्टर दिनेश जैन, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा,मोहनसिह राणावत भी मंचासीन थे।

इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी ने सुदृढ़ भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। किसान महिला, युवा एवं गरीबों को साथ लेकर आगे बढने का संकल्प श्री मोदी जी का है। उन्होने कहा कि नीमच से बडी सादडी रेल लाईन निर्माण का कार्य स्वीकृत हो गया है। नीमच से चित्तौड, रेल्वे लाईन दोहरीकरण, नीमच, रतलाम दौहरीकरण का काम पूरा हो गया है। रेल्वे के विकास के साथ ही नीमच के विकास को नई गति मिलेगी। सांसद ने कहा कि मोरवन के समीप 100 एक्कड में अफीम प्रोसेसिंग प्लांट बन रहा है।

सीआरपीएफ नीमच में 100 करोड़ से अधिक के विकास कार्य हुए है। महिलाएं, पुरूष जवानों के लिये नये बैंरक बने है। स्वीमिंगपुल बना है। आडोटोरियम का निर्माण भी हुआ है।

सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि नीमच में नर्सिंग कॉलेज भी स्वीकृत हो गया है। एक और केन्द्रीय विद्यालय का भवन भी बनकर तैयार है। नीमच में सैनिक स्कूल भी स्वीकृति की प्रक्रिया में है। सांसद ने कहा कि संसदीय क्षेत्र में चार स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है। यह बडी उपलब्धी है।

इससे नीमच सहित क्षेत्र के रेल्वे स्टेशनों का तेजी से विकास सुदृढ़ीकरण होगा और यात्री सुविधाएं बढ़ेगी। विधायक दिलीप सिह परिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत शक्ति सम्पन्न देश बन रहा है, देश में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे है। देश, प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। संसदीय क्षेत्र में नीमच, मंदसौर और रतलाम में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हुए है। नीमच में दो केंद्रीय विद्यालय है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान, नीमच प.पा.अयक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा ने भी सम्बोधित किया।

प्रारंभ में रतलाम रेल मण्डल के अधिकारी श्री मुकेश कुमार जाटव ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया तथा स्वागत उदबोधन में नीमच रेल्वे स्टेशन के विकास सुदृढीकरण एवं यात्री सुविधाओं के विकास व विस्तार के बारे में विस्तार से बताया।

स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। रेल्वे के राजेन्द्र भवरेला, गोपाल बोरीवाल ने देश शक्ति पूर्ण गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन श्री जयंत अग्रवाल ने किया और अंत में मुकेश कुमार जाटव ने आभार माना।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उदबोधन का सीधा प्रसारण भी एलईडी के माध्यम से दिखाया गया। उपस्थित अतिथियों और जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री जी के उदबोधन का सीधा प्रसारण देखा व सुना।

इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि वीरेंद्र पाटीदार, पूर्व न.पा.अध्यक्ष राकेश पप्पु जैन, संतोष चौपडा, हेमंत हरित, महेन्द्र भटनागर, नीलेश पाटीदार, सत्यानारायण गोयल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, गणमान्य नागरिक एवं बडी संख्या में जन समुदाय, रेल्वे के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकारगण, उपस्थित थे।

जल ही जीवन है
पानी व्यर्थ न बहाऐं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 फरवरी को विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे

जिला स्तर पर भी कार्यक्रम का होगा सीधा प्रसारण

नीमच। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उपस्थिति में वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से 29 फरवरी को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश की अवधारणा को लेकर अनेक विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। साथ ही नवनियुक्ति शासकीय कर्मियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण भी किया जावेगा। प्रदेश स्तरीय मुख्य कार्यक्रम लाल परेड ग्राउण्ड भोपाल में होगा।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय एवं नगरीय निकाय मुख्यालय तथा लोकार्पित/भूमिपूजन किए जा रहे कार्यो के कार्य स्थल पर भी किया जावेगा। अधिकाधिक लोगो को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम को देखने एवं सुनने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

प्रदेश की मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए सोमवार को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश की अवधारणा पर 29 फरवरी को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और सभी जिलों को आवश्यक प्रबंध एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नीमच के एनआईसी कक्ष में इस वीडियों कांफ्रेसिंग में कलेक्टर दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीनाएवं जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसादभी मौजूद थे।

सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 12 मार्च को

मंदसौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत मंदसौर की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई है।

बैठक 12 मार्च को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

एनएचएम संविदा कर्मचारी स्थानांतरण हेतु ऑनलाइन आवेदन 5 मार्च तक

मंदसौर। मिशन संचालक एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने बताया कि प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों के स्थानांतरण हेतु व्यवस्था की गयी है। आवेदन विभागीय वेबसाईट hrmis.nhmmp.gov.in पर 5 मार्च शाम 5 बजे तक ऑनलाईन किए जा सकते हैं। स्थानांतरण हेतु इच्छुक संविदा कर्मचारी उक्त अवधि में अपने आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। श्रीमती दास ने बताया कि एक वर्ष पूर्व संविदा पर नियुक्त एवं स्थानांतरित संविदा कर्मचारी ही ऑनलाईन आवेदन कर सकेगें। स्थानांतरण हेतु उक्त अवधि में प्राप्त ऑनलाईन आवेदनों पर ही विचार किया जायेगा। ऑफलाईन आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 12 मार्च को

मंदसौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत मंदसौर की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक 12 मार्च को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

राजस्व महाअभियान के तहत दर्ज राजस्व प्रकरणों का दो दिन में शतप्रतिशत निराकरण करें- सुश्री नेहा मीना

नीमच। जिले के सभी राजस्व अधिकारी राजस्व महाअभियान के दहत दर्ज सभी राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण दो दिवस में सुनिश्चित करें। सीमांकन एवं नक्शा तरमीम के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सुश्री नेहा मीना ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित अधिकारियों की बैठक में जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को दिए।

बैठक में जिला पंचातय सीईओ गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर राजेश शाह, सुश्री प्रीती संघवी, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना ने निर्देश दिए, कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 16 की किश्त का अंतरण कार्यक्रम 28 फरवरी 2024 को आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का जिला, ब्लॉक स्तर पर सीधा प्रसारण किया जावेगा। इस कार्यक्रम में अधिकाधिक किसानों, हितग्राहियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। स्थानीय जन-प्रतिनिधियों से चर्चा कर, कार्यक्रम का स्थल नियत करलें एवं सभी आवश्यक प्रबंध तत्परतापूर्वक करें। कार्यक्रम का ग्रामीण अमले के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना भी सुनिश्चित करें। इस कार्यक्रम का जिला ब्लॉक स्तर पर भूमिपूजन लोकार्पण स्थल पर सीधा प्रसारण किया जावेगा। जिला पंचायत सीईओ ने कहा, कि जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला पंचायत परिसर नीमच में आयोजित किया जावेगा। जिले में 29 फरवरी 2024 का कार्यो का भूमिपूजन किया जावेगा। सभी संबधित अधिकारी इस कार्यक्रम के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित कर, कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स व उपस्थित संख्यात्मक जानकारी संकलन कर, अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवायें। कार्यक्रम आयोजन के लिए संबंधित एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जिला पंचायत सीईओ ने 29 फरवरी 2024 के कार्यक्रम के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सौपे गये दायित्वों के बारे में भी अवगत कराया।

घर पर नल से पानी आने पर खुश है रूनीजा ग्रामवासी (सफलता की कहानी)

मंदसौर। जल जीवन मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल उपलब्ध कराने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के साथ ही जिले में भी गावों में नल के द्वारा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। सुलभ पेयजल आपूर्ति से न केवल पीने के पानी की समस्या का समाधान हो रहा है, दूषित पेयजल से होने वाली बीमारियां भी कम हो गई हैं।

घर पर नल से पानी आने पर मंदसौर जिले के ग्राम रूनीजा के ग्रामवासियों के खुशी तो देखते ही बनती है। रूनीजा के शांतिबाई ने बताया कि पहले मेरा और बहु का बहुत समय दूर से पानी लाने में ही निकल जाता था । जिससे घर के अन्य कार्य के लिए समय नहीं बच पाता था । हमें हर समय पानी भरने की चिंता थी, लेकिन जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना से अब हमें पानी की कोई चिंता नहीं रहती ।

शांतिबाई ने कहा कि सरकार ने घर में नल लगवाकर हमे पानी की चिंता से मुक्ति दिलाई है । ग्राम रूनीजा में 1205 परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसके लिए शांति बाई ने प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया।

पेयजल व्यवस्था को लेकर बैठकों का दौर जारी

नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने की अब तक किये गये उपायो की समीक्षा, अधिकारियों व कर्मचारियों को दिये आवश्यक निर्देश

नीमच। इस वर्ष अल्प वर्षा से जाजू सागर बांध में काफी कम मात्रा में पानी संग्रहित होने से उत्पन्न संभावित जल संकट से निपटने के लिये नगरपालिका परिषद्, नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा द्वारा विधायक व कलेक्टर महोदय से निरंतर चर्चा कर जलप्रदाय विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ निरंतर बैठके कर पेयजल व्यवस्था हेतु किये जा रहे उपायों की समीक्षा की जा रही है एवं आवश्यक निर्देश दिये जा रहे हैं ताकि नीमच शहरवासियों को ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट का सामना न करने पड़े।

मंगलवार 27 फरवरी को नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने जलकल सभापति श्रीमती छाया जायसवाल के साथ जलकल विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, वाल्वमेन तथा बीटीएल कम्पनी के स्टॉफ की बैठक लेकर पेयजल व्यवस्था हेतु अब तक किये गये उपायो की समीक्षा की तथा निजी जल स्त्रोतों के अधिग्रहण व आवश्यकता पडने पर ट्यूबवेल खनन करवाने संबंधी कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने शिवाजी सागर जलाशय (ठिकरिया बांध) से आवश्यकतानुसार पानी प्राप्त करने के अनुबंध के बारे में जलकल विभाग प्रभारी उपयंत्री श्री अम्बालाल मेघवाल से जानकारी प्राप्त की।

इस पर श्री मेघवाल ने बताया कि ठिकरिया बांध से 5 एमसीएम पानी प्राप्त किये जाने हेतु अनुबंध कर 5 लाख रूपये की राशि भी जमा करा दी गई है। श्रीमती चौपड़ा ने सार्वजनिक कुओ को रिचार्ज कराने व निजी जल स्त्रोंतों के अधिग्रहण संबंधी अब तक हुई कार्यवाही के बारे में पूछा तो जलकल अधिकारियों ने बताया कि कुओ को रिचार्ज करने व कुओ की सफाई संबंधी कार्य प्रारंभ किया जा चुका है तथा निजी जल स्त्रोतों के अधिग्रहण संबंधी फाईल भी तैयार की जा चुकी है। साथ ही नवीन ट्यूबवेल खनन हेतु भी प्रक्रिया जारी है।

नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने जलकल अधिकारियों व कर्मचारियों को नवीन नल संयोजन पूरी तरह बंद करने व पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिये।

श्रीमती चौपड़ा ने अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि पेयजल आमजन की मूलभूत आवश्यकता है और हमारा दायित्व है कि शहर के नागरिकों को पेयजल संबंधी कोई परेशानी न हो। इस कार्य में अगर किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई तो संबंधित को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जावेगा।

बैठक में जलकल सभापति श्रीमती जायसवाल ने पानी का दुरूपयोग रोकने हेतु अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिये कि नलों में टोटी लगाने का कार्य निरंतर जारी रखे तथा कहीं भी पाईप लाईन फूटने व लिकेज संबंधी शिकायत हो तो उसका निराकरण प्राथमिकता से किया जावे। नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकल से निपटने के लिये विधायक महोदय व कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में हम पूरी तरह से तैयार है।

वर्तमान में जाजू सागर बांध में 8 फीट पानी है, जिसमें से हम 3 फीट पानी का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही वर्षा लेट भी होती है तो हमें ठिकरिया बांध से मात्र 4 एमसीएम पानी की आवश्यकता होगी, किन्तु हमने उससे ज्यादा 5 एसीएम पानी का अनुबंध किया है, ताकि नागरिकों को पेयजल संबंधी कोई परेशानी ना हो।

बैठक में नपा की सहायक यंत्री श्रीमती अभिलाषा चौरसिया, उपयंत्री श्री अम्बालाल मेघवाल, जलकल विभाग के लिपिक सुरेश पंवार,नाथुलाल नागर, कचरूलाल राठौर के साथ ही पम्प ऑपरेटर, वाल्वमेन व पेयजल वितरण वाली कम्पनी के सुपरवाईजर व कर्मचारी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर सुश्री नेहा मीना एवं जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद ने की जनसुनवाई, जनसुनवाई में 72 लोगों की सुनी समस्याएं

नीमच सभी जिला अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण करें। यह निर्देश अपर कलेक्टर सुश्री नेहा मीना एवं जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह,सुश्री प्रिती संघवी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आजनां सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में 72 लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। अठाना की कलाबाई ने कृषि भूमि से कब्जा हटवाने, धामनिया के कालबेलिया योगी नाथ समाज जनों ने मुक्तिधाम शमशान के लिए जमीन दिलाने, रामपुरा के सुनील ने निजी स्वामित्व के प्लाट व रास्ते का सीमांकन करवाने, मांगरोल के बापूसिह सौंधिया ने प्रधानमंत्री आवास के लिए अनुदान दिलाने, पिपलियाव्यास के मदनलाल बंजारा ने खेत पर आने जाने का रास्ता खुलवाने, कुम्हारा गली नीमच केंट के इकराम ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालें के विरूद्ध कार्यवाही करने, रामपुरा नगर की सपना ने वर्षो पुरानी कब्जे की जमीन पर बनी दिवार गिराने एवं तोडफोड करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, डूंगलावदा की संगीता दमामी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जनसुनवाई में जाजूंगज नीमच के सलीम खान हैदर, भोई मोहल्ला रामपुरा की ज्योति, नीमच सिटी के शौकीनलाल, धनेरिया कलां के कैलाशचंद्र लोधा, खेडी मोहल्ला नीमच सिटी के राजेश जैन, रतनगढ की रेखा राठौर, चुकनी के अर्जुन शर्मा, बघाना के वसीम खान, धनेरियाकलां की श्यामाबाई मीणा, भाटखेडी के यशवन्त सिह, पिपल्याहाडी के मनोहरलाल, मनासा के रामलाल आदि ने भी जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। एडीएम ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों, समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण कर संबंधित को अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

मंदसौर में प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना से पथ विक्रताओं के जीवन में आ रहा है बदलाव

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना पथ विक्रताओं के जीवन स्तर और उनकी आमदनी बढ़ाने में मददगार साबित हो रही है। इसके परिणाम मंदसौर में देखने को मिले है।

मंदसौर। शहर के इंदिरा कॉलोनी में रहने वाले विजय सिंह बताते है कि प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना ने उनके रोजगार को सशक्त बनाया है। वे कम पूंजी के कारण अपना व्यापार दिक्कतों के बीच कर पाते थे। उन्हें प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना की जानकारी स्थानीय शहरी निकाय के अधिकारियों से मिली। उन्होंने फार्म भरा और उन्हें प्रथम चरण में ब्याज मुक्त ऋण राशि मिल गई, ऋण किश्त का भुगतान उनके द्वारा समय पर किया गया। इसके बाद उन्हें व्यापार बढ़ाने के लिये 20 हजार रूपये की राशि ऋण के रूप में और मिली। अब वे अपने हाथठेले में फल की कई किस्में रखते है। इससे उन्हें अच्छा मुनाफा भी हो रहा है।

इसी योजना का लाभ मंदसौर के ही रवि प्रजापति को मिला है। उन्हें शुरूआत में स्ट्रीट वेंडर योजना में ब्याज मुक्त 10 हजार रूपये की ऋण राशि मिली। इसके बाद उन्हें व्यापार बढ़ाने के लिये ब्याज मुक्त 20 हजार रूपये की राशि मिली। रवि प्रजापति भी बाजार में फल का हाथठेला लगाते है। योजना मिलने पर वे केन्द्र और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते है। मंदसौर शहर की एमआईटी चौराहे की रहने वाली श्रीमती लीला बाई को भी पीएम स्वनिधि योजना से रोजगार मिला है। लीला बाई बताती है कि पहले उन्हें घर खर्च चलाने में काफी तकलीफे हुआ करती थी।

नगर पालिका से जानकारी मिलने पर उन्हें ब्याज मुक्त ऋण मिला। आज वे 20 हजार रूपये की राशि से सब्जी का हाथठेला लगाती है। वे कहती है कि इसी योजना में और लाभ लेकर अपने व्यापार को बढ़ायेंगी।

भारतीय ज्ञान परम्परा ने विश्व का किया मार्ग दर्शन- राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा विविध संदर्भ पर दो दिवसीय कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। शासकीय सरोजनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में हुए शुभारंभ सत्र में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, संचालक मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी श्री अशोक कड़ैल तथा सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास डॉ. अतुल कोठारी ने भी संबोधित किया। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता ने अंगवस्त्रम, तुलसी का पौधा तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।

विस्तारीकरण नवीनीकरण का हुआ लोकार्पण

राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय ज्ञान परंपरा विविध संदर्भ कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर रिमोट से शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल के 860.82 लाख के विस्तारीकरण नवीनीकरण और बैरियर-फ्री कार्य तथा शासकीय महाविद्यालय सिराली हरदा के 617.82 लाख की लागत से बने नवीन भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का वर्ष 2021-22 में अखिल भारतीय सकल नामांकन अनुपात (जीईआर 28.4) में मध्यप्रदेश द्वारा राष्ट्रीय स्तर से अधिक उपलब्धि (28.9) प्राप्त करने पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार द्वारा अभिनंदन पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। शुभारंभ सत्र में उच्च शिक्षा विभाग की उपलब्धियों तथा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने संपूर्ण विश्व का मार्ग दर्शन किया है। भारत से प्राप्त ज्ञान से ही अरब, यूरोप, मध्य एशिया, पूर्वी और दक्षिण एशियाई देशों में गणित, ज्योतिष, खगोल, चिकित्सा, अध्यात्म संबंधी ज्ञान का प्रसार हुआ है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित पाठ्यक्रम में भारतीय समाज के जीवन मूल्यों, सांस्कृतिक गौरव, मातृभूमि के लिए मर मिटने वाले नायक-नायिकाओं के बलिदान, संघर्ष और संविधान की समावेशी-समता मूलक व्यवस्थाओं की मंशा को भी समेकित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवा शक्ति को दिशा देने का अभियान

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्र की युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक और लाभार्थी होती है। शिक्षा पाठ्यक्रम भावी पीढ़ी के भविष्य लिखने, युवा शक्ति को दिशा देने और विकास के दृष्टिकोण को आकार देने का महान अभियान है। भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखने वाली अमृत पीढ़ी तैयार करने के लिए जरूरी है कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालय, विद्यार्थियों को ज्ञानवान और हुनरमंद बनाएं। शिक्षा ऐसी हो जो विद्यार्थियों को स्वस्थ और स्वच्छ जीवन शैली तथा भविष्य के मुद्दों से निपटने, सामाजिक सरोकारों में सहभागिता और मोबाइल फोन से परे दुनिया की खोज करने के तरीके सुझाए। शिक्षक अपने आचरण से विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन करने वाले रोल मॉडल होने चाहिए।

भारत को विश्व गुरु बनाने का महायज्ञ, राष्ट्रीय शिक्षा नीति

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय ज्ञान परंपरा समृद्ध रही है, फिर चाहें वह भारतीय दर्शन का सापेक्षिकता का सिद्धांत हो, प्लास्टिक सर्जरी, शून्य की खोज, ज्योतिष और आयुर्वेद का चिकित्सा विज्ञान, सभी क्षेत्रों में भारत अग्रणी रहा हैं। उन्होंने कहा कि भारत के इसी गौरव को प्राप्त करने, विश्वगुरु बनाने, 21वीं सदी की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम और दक्ष पीढ़ी तैयार करने और राष्ट्र जागरण का महायज्ञ राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में विद्यार्थियों की रचनात्मक, सृजनशील, आलोचनात्मक, अनुसंधनात्मक प्रवृत्तियों, नवाचार के साथ ही उद्यमशीलता को निखारने और शिक्षा की रोजगारपरकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चिंतन किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने आशा व्यक्त की कि शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला के वैचारिक मंथन से प्राप्त अमृत रूपी सुझाव और विचार भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार करने में सहायक होंगे।

भारतीय संस्कृति और परम्परा, ज्ञान को किसी सीमा में बांधने पर विश्वास नहीं करती

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति और परम्परा, ज्ञान को किसी सीमा में बांधने पर विश्वास नहीं करती, ऋग्वेद के अनुसार ज्ञान जहां से भी आए उसे स्वीकार करना चाहिए। पश्चिम में पेटेंट की व्यवस्था है, जो ज्ञान से हितअर्जन पर आधारित है। जबकि भारत में ऋषि परंपरा को किसी राज्य की सीमा में नहीं रोका गया। हमारा विश्वास है कि ऋषि समूचे जगत के लिए हैं, जो अपना सारा जीवन समाज की बेहतरी के लिए शोध में निकाले वही ऋषि परंपरा है। श्रुति और स्मृति ने भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा को अक्षुण्ण रखा है। भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों में शोध को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

प्रदेश में विश्वविद्यालयों को समग्रता में विकसित किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा पीढ़ी के भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला उच्च शिक्षा विभाग राज्य शासन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में विश्वविद्यालयों को समग्रता में विकसित किया जाएगा। प्रदेश के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को इतना प्रभावी बनाया जाएगा कि देश के साथ-साथ विदेशों के विद्यार्थी भी प्रदेश में अध्ययन के लिए आतुर रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: ऐश्वर्य शर्मा (संपादक)- 9407423966, राधवेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)- 9301678930। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।